

an>

Title: Regarding incident of naxal attack on the CRPF Unit in Bihar's Aurangabad district.

श्री सुशील कुमार सिंह (औरंगाबाद) : माननीय अध्यक्ष महोदया, आपने एक अति महत्वपूर्ण विषय पर मुझे बोलने का मौका दिया है, इसके लिए मैं आपका आभारी हूँ।

मैं बिहार के औरंगाबाद संसदीय क्षेत्र से चुनकर आता हूँ। गया जिले के बांके बाजार और आमस थाने की सीमा पर कल एक बहुत ही दर्दनाक और शर्मनाक घटना घटी है, जिसमें सीआरपीएफ के कोबार बटालियन के 10 जवान नवसतियों के द्वारा कसये गये बम विस्फोट में मारे गये। तीन नवसतियों के भी मारे जाने की सूचना है। मैं आपको बताना चाहता हूँ कि कल 10 बजे पहली गोली चली और नवसतियों के द्वारा 70 आईडीज़ का विस्फोट किया गया, जिसमें सीआरपीएफ के 10 जवान हताहत हो गये।

महोदया, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि सरकार चाहे राज्य की हो या केन्द्र की हो, मेरा यह मानना है कि अब इस विषय को कानून और व्यवस्था का विषय मानकर राज्य सरकारों पर थोपना उचित नहीं होगा। वैसे बिहार की जो सरकार है, मुझे यह लगता है कि राज्य सरकार को इस समस्या के निदान में कोई रुचि नहीं है। अभी हाल में 15-20 दिन पहले सीआरपीएफ का एक जवान बम विस्फोट में मारा गया। ... (व्यवधान) इसमें गरीब, निर्दोष, सुरक्षाकर्मी आदि मारे जा रहे हैं। आये दिन ऐसी घटनाएँ घट रही हैं, जब कोई किसान, मज़दूर, सुरक्षाकर्मी, ट्रक चालक आदि नवसतियों की भेंट चढ़ रहे हैं। हमारी विकास की योजनाएँ रुकी हुई हैं। कहीं पुल का निर्माण हो रहा है, तो मशीन जला दिये जाते हैं, कहीं सड़क-निर्माण हो रहा है, तो वहाँ की मशीन जला दी जाती है और मज़दूरों को मार दिया जाता है।

मेरा कहना है कि देश की आंतरिक सुरक्षा पर यह एक गंभीर खतरा है। वैसे यह समस्या देश के कई राज्यों में है। लेकिन बिहार में और खासकर मेरे संसदीय क्षेत्र के देव, डिबरा, डुमरिया, इमामगंज, तुटुआ, बरछा, छकरबन्दा जैसे इलाकों के लिए यह अत्यधिक गंभीर मामला है।

आपके माध्यम से, दोनों सरकारों के लिए मेरा सुझाव है कि यदि राज्य सरकार इसमें रुचि नहीं ले रही है, तो केन्द्र सरकार उस पर दबाव बनाये। दोनों तरफ से इसमें पुलिसिंग की जाए। डवलपमेंट के जो काम हैं, उनको भी चलाया जाए। इन जिलों में आईएपी का जो काम चलता था, वह भी बंद हो गया। एलडब्ल्यूई के तहत जो सड़क-निर्माण का कार्य होता था, वह भी बंद हो गया। इसलिए विकास के कार्य भी चलाए जाएं और पुलिसिंग भी की जाए। इसके लिए बिल्कुल कड़ा निर्णय लिया जाए। सरकार की इच्छाशक्ति टढ़ हो और टढ़ इच्छाशक्ति के साथ इस गंभीर समस्या की ओर ध्यान दिया जाए। ... (व्यवधान) इस समस्या की ओर राज्य सरकार का कोई इंटेस्ट नहीं है। ... (व्यवधान) इसलिए राज्य सरकार से मैं कोई उम्मीद नहीं करता हूँ। इसे राज्य सरकार नहीं करेगी। ... (व्यवधान) इसलिए मेरा अनुरोध है कि इस ओर कोई सख्त कदम उठाया जाए।

माननीय अध्यक्ष : सर्वश्री

अश्विनी कुमार चौबे,

भैंसे प्रसाद मिश्र,

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल,

सर्वश्री शरद त्रिपाठी,

चन्द्र प्रकाश जोशी,

सुधीर गुप्ता,

रोड़मल नागर,

आलोक संजर को श्री सुशील कुमार सिंह द्वारा उठाये गये विषय से संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

आपकी बात रिकार्ड में आ गयी है, अब आप बैठ जाइए।